21 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है अब तक कोरोना वायरस के कारण दुनियाभर में, जबकि लगभग तीन अरब लोगों को इसके चलते घरों में बंद होना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने विश्व से इस खतरे से निपटने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

कोरोना पर चीन का पक्ष ले रहा डब्ल्यूएचओ : ट्रंप

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वायरस संकट को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी पर चीन का बहुत ज्यादा पक्ष लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे बहुत लोग नाखुश हैं। विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने कहा कि चीन ने अमेरिकियों की सेहत और जिंदगी खतरे में डाल दी है। अमेरिका में अब तक करीब 70 हजार लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और एक हजार से ज्यादा की मौत हो चुकी है।

ट्रंप ने बुधवार को ह्वाइट हाउस में एक सवाल पर पत्रकारों से कहा, 'वह (डब्ल्यूएचओ) चीन की बहुत ज्यादा तरफदारी कर रहा है। इससे बहुत लोग खुश नहीं हैं।' ट्रंप से उनकी रिपब्लिकन पार्टी के सांसद मार्को रुबिको के उस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी, जिसमें उन्होंने डब्ल्यूएचओ पर चीन का पक्ष लेने का आरोप लगाया था। कई अमेरिकी सांसदों ने कोरोना वायरस से निपटने में चीन की तारीफ करने के लिए भी डब्ल्यूएचओ की आलोचना की है। सांसद ग्रेग स्ट्यूब ने आरोप लगाया कि कोरोना महामारी के दौरान डब्ल्यूएचओ चीन का मुखपत्र बन गया है। जबकि सांसद जोश हाले ने कहा, दोनों को नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए। अमेरिकी संसद में इस बात को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है कि कोरोना महामारी के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया जाए क्योंकि उसने जानकारी छुपाई।

डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

- अमेरिका में संक्रमण के करीब 70 हजार मामले, 1000 से ज्यादा की मौत
- विदेश मंत्री पोंपियो बोले, चीन ने खतरे में डाली अमेरिकियों की सेहत

माइक पोंपियो रायटर

'सोशल डिस्टेंसिंग से धीमा पड़ रहा वायरस'

अमेरिका में महामारी का केंद्र बने न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग के चलते कोरोना वायरस का प्रसार धीमा होता दिख रहा है। अमेरिका में न्यूयॉर्क प्रांत कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित है। अकेले इस प्रांत में ही 30 हजार से ज्यादा लोग पीड़ित पाए गए हैं।

विदेश में अमेरिकी सेना की गतिविधियों पर रोक : अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने विदेश में तैनात अमेरिकी बलों और रक्षा कर्मचारियों की गतिविधियों पर 60 दिन के लिए रोक लगाने का आदेश दिया है। यह कदम कोरोना वायरस से बचाव के प्रयास में उठाया गया है।

दो लाख करोड़ डॉलर के पैकेज पर सीनेट की मुहर : अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए दो लाख करोड़ डॉलर (करीब 150 लाख करोड़ रुपये) के पैकेज पर मुहर लगा दी है। इस पैकेज को 96 मतों से पारित किया गया। विरोध में एक भी मत नहीं पड़ा।

अमेरिका में भारतीय छात्रों की मदद को आगे आए भारतवंशी

वाशिंगटन, प्रेट्र : वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस से मुकाबले के लिए कई राज्यों में लॉकडाउन होने से बड़ी संख्या में भारतीय छात्र भी अमेरिका में फंस गए हैं। उनकी मदद के लिए भारतवंशी होटल कारोबारी सामने आए हैं। वे भारतीय छात्रों को रहने और भोजन की मुफ्त सुविधा दे रहे हैं। कोरोना प्रकोप के चलते भारत ने गत 22 मार्च से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर रोक लगा दी है। अमेरिका के कई राज्यों में भी हालात बिगड़ने पर लोगों को घरों में रहने का आदेश दिया गया है। इन हालात में हॉस्टल खाली करने का आदेश मिलने पर हजारों भारतीय छात्रों के सामने आशियाने का संकट खड़ा हो गया है। भारतीय दूतावास की अपील पर ऐसे छात्रों के लिए अब तक करीब 700 होटलों से छह हजार कमरों का प्रस्ताव मिल चुका है। भारतीय दूतावास छात्रों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर भी चला रहा है। अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा, 'यह देखकर खुशी हो रही है कि भारतीय, भारतवंशी और अन्य होटल मालिक लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं।'

तरणजीत सिंह संधू। फाइल

दुनिया की एक चौथाई आबादी घरों में

कोविड-19 महामारी के चलते दुनिया के कई देशों में लॉकडाउन की स्थिति है। गार्जियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया की 20 फीसद आबादी कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण घरों में कैद है। इसका अर्थ है कि लोगों की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है और नियंत्रण सरकारों के पास है। स्टेटिस्टा के एक विश्लेषण में सामने आया है कि यह आंकड़ा पहले से ही 25 फीसद के करीब है। हालांकि वर्तमान में अलग-अलग तरह के लॉकडाउन हैं, स्टेटिस्टा ने उन लोगों की गिनती की है, जिनमें सरकारों ने अपने नागरिकों को घरों में रहने और केवल आवश्यक कामों के लिए बाहर निकलने के आदेश दिए हैं। वहीं आदेश नहीं मानने वालों के खिलाफ सजा और जुर्माने की घोषणा की गई है।

भारत में सबसे बड़ी आबादी प्रभावित

वर्तमान में भारत में सबसे बड़ा लॉकडाउन लागू किया गया है। जहां पर 1.3 अरब लोगों को 21 दिनों तक घरों में रहने के आदेश दिए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यह लॉकडाउन आकार के लिहाज से चीन से भी बड़ा है।

अमेरिका और यूरोप के लोग भी घरों में

अन्य बड़े लॉकडाउन अमेरिका में हो रहे हैं। करीब 20 राज्य और कई शहरों ने कहा है कि वे सख्ती से घरों में रहने के आदेश लागू करेंगे। वहीं यूरोप में जहां पर फ्रांस, स्पेन, ब्रिटेन और अन्य जगहों पर करीब 30 करोड़ लोग लॉकडाउन का हिस्सा हैं। लैटिन अमेरिकी देशों ने भी सेना की मदद से लॉकडाउन लागू करना शुरू कर दिया है। पेरू, अल सल्वाडोर, अर्जेंटीना, वेनेजुएला और कोलंबिया में लॉकडाउन के दौरान करीब 16 करोड़ 30 लाख लोग घरों में हैं।

जॉर्डन ने लागू किए सख्त कानून

जॉर्डन में सबसे कठोर लॉकडाउन कानून पारित किए गए हैं।

एक सरकारी आदेश के अनुसार, जॉर्डन में किसी भी व्यक्ति के सड़क पर पकड़े जाने पर उसे एक साल तक की सजा हो सकती है। जॉर्डन लॉकडाउन एक करोड़ लोगों को प्रभावित कर रहा है। वहीं पड़ोसी देश इजरायल में 90 लाख लोग और न्यूजीलैंड में 40 लाख लोग अपने घरों में कैद हैं।

कोरोना वायरस लॉकडाउन का आकार

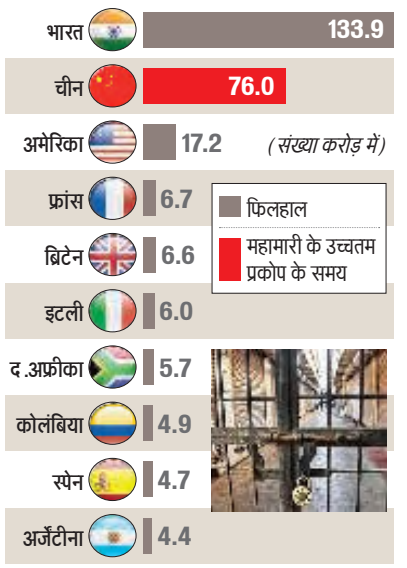

स्पेन में चार हजार से ज्यादा मौत

महामारी ▸ 24 घंटों में 655 और पीड़ितों ने तोड़ा दम, 56 हजार संक्रमित

प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज की पत्नी भी कोरोना से पीड़ित

मैड्रिड, एजेंसियां : कोरोना वायरस के कहर से यूरोप में इटली के बाद स्पेन सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। देश में बीते 24 घंटों में 655 और पीड़ितों ने दम तोड़ दिया। इससे मरने वालों का आंकड़ा चार हजार के पार पहुंच गया है। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा है कि 1936 से 1939 तक चले गृहयुद्ध के बाद देश के लिए यह सबसे मुश्किल घड़ी है। पेड्रो की पत्नी भी कोरोना से पीड़ित पाई गई हैं।

स्पेन की संसद से 12 अप्रैल तक इमरजेंसी बढ़ाने के प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद देश में गुरुवार को लॉकडाउन का दायरा भी बढ़ा दिया गया। आवश्यक कार्य को छोड़ लोगों को घरों में ही रहने की हिदायत दी गई है। स्पेन में 14 मार्च को 15 दिन के लिए इमरजेंसी का एलान किया गया था। यूरोप में इटली के बाद सबसे ज्यादा मौत स्पेन में हो रही हैं। इटली में जान गंवाने वालों की संख्या साढ़े सात हजार से ज्यादा हो चुकी है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने किया जंग का एलान : फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों इमैनुएल ने 'अदृश्य दुश्मन' के खिलाफ जंग का एलान किया है। मैक्रों ने कहा, 'हम जंग में हैं और महामारी का सामना कर रहे हैं। इसलिए मैंने सैन्य ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया है।' फ्रांस में अब तक कोरोना वायरस के 25 हजार से ज्यादा मामलों की पुष्टि हुई है और 1300 से ज्यादा की जान जा चुकी है।

ग्रीस में मुस्लिम आबादी वाले इलाके लॉकडाउन : ग्रीस के कई शहरों में मुस्लिम आबादी वाले इलाकों को लॉकडाउन कर दिया गया है। यह कदम इन इलाकों में कोरोना वायरस के कई मामले पाए जाने और एक मौत के बाद उठाया गया।

ईरान में शहरों के बीच आवाजाही पर रोक : कोरोना महामारी पर अंकुश लगाने के प्रयास में ईरान ने शहरों के बीच आवाजाही पर रोक लगा दी है। इसके अलावा सभी सरकारी और गैर सरकारी जमावड़ों पर रोक लगाने समेत कई सख्त कदमों का भी एलान किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में 157 और लोगों की मौत हो गई और 2,389 नए मामले पाए गए।

चीन में आठ दिन में छठी बार नहीं आया नया मामला : चीन में गत आठ दिनों में छठी बार स्थानीय स्तर पर संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया। लेकिन छह पीड़ितों की मौत हुई। देश में 67 नए मामलों की पुष्टि हुई, लेकिन ये सभी विदेश से आए लोग हैं। कोरोना वायरस के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित हुबेई प्रांत की सीमाएं खोल दी गई हैं। इसकी राजधानी वुहान से ही कोरोना फैला था।

वियतनाम में विदेश से आए हजारों लोग क्वारंटाइन कैंप में : वियतनाम ने यूरोप और अमेरिका से लौटे हजारों नागरिकों को सैन्य क्वारंटाइन कैंपों में रखा है। इस तरह के कैंप में रखे गए लोगों की संख्या करीब 45 हजार बताई जा रही है। दूसरे पड़ोसी देशों के मुकाबले वियतनाम में संक्रमित लोगों की संख्या कम है।

सर्वाधिक प्रभावित देश

देश	मौत	संक्रमित
इटली	7,503	74,386
स्पेन	4,089	56,188
चीन	3287	81,285
ईरान	2,234	29,406
फ्रांस	1,331	25,233
अमेरिका	1037	68,814
ब्रिटेन	465	9,529
जर्मनी	224	39,572
स्विट्जरलैंड	171	11,316
द.कोरिया	131	9,241

स्पेन के राजा फिलिप षष्टम (बीच में) ने सेना द्वारा कोरोना वायरस पीड़ितों के इलाज के लिए बनाए गए अस्पताल का दौरा किया। 1500 बेड का यह अस्पताल राजधानी मैड्रिड स्थित आइएफएमए कंवेंशन सेंटर में बनाया गया है। एएफपी

सिंगापुर में तीन साल की भारतीय भी कोरोना की चपेट में

सिंगापुर में 73 नए मामलों की पुष्टि हुई है। इसमें तीन साल की भारतीय लड़की भी शामिल है। सिंगापुर में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 631 हो गई है। अब तक दो पीड़ितों की मौत हुई है।

मलेशिया के राजा-रानी क्वारंटाइन

मलेशिया के शाही महल के सात स्टाफ के कोरोना संक्रमित पाए जाने पर राजा सुल्तान अब्दुल्ला और रानी तंकू अजीजा का भी टेस्ट किया गया। दोनों के टेस्ट निगेटिव पाए गए। इसके बावजूद शाही जोड़े ने खुद को 14 दिन के लिए क्वारंटाइन कर लिया है। मलेशिया में 1,796 मामले पाए गए हैं और 21 की मौत हुई है।

डब्लूएचओ को इटली से मिले 'अच्छे संकेत'

कोपनहेगेन, एएफपी : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के यूरोपीय कार्यालय ने इटली से कोरोना से संक्रमित होने वालों की दर में कमी आने की रिपोर्ट को एक 'अच्छा संकेत' बताया है। हालांकि उसने यह भी कहा कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगा कि सबसे बुरा दौर गुजर गया है कि नहीं।

यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में यूरोप के क्षेत्रीय निदेशक हांस क्लूग ने कहा कि यद्यपि स्थिति अभी भी बहुत गंभीर है लेकिन जो संकेत मिलने शुरू हुए हैं वे उत्साहजनक हैं। इटली, जहां कि इस वायरस का सबसे ज्यादा प्रकोप है वहां नये मामले आने की दर में गिरावट दर्ज की गई है।

डब्लूएचओ यूरोप के अनुसार पूरे महाद्वीप में 2,20,000 मामले दर्ज किये गये। जिसमें अब तक 11,987 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि दुनिया भर में चार लाख से अधिक लोग इससे संक्रमित हुए हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक संक्रमण के हर दस मामलों में छह मामले और मौतों के दस में से सात मामले यूरोप के हैं। यूरोप में लगातार फैल रहे इस वायरस के प्रकोप को देखते हुए कई देशों ने अपनी सीमाएं सीलकर लाकडाउन कर दिया है। क्लूग ने कहा कि हम जल्द ही इस बात का पता लगा लेंगे कि विभिन्न देशों द्वारा उठाये गये कदमों से इस वायरस को थामने में कितनी सफलता मिली। उन्होंने सरकारों ओर नागरिकों को आगाह किया कि वे इस सच्चाई से वाकिफ रहें कि इस महामारी का असर लंब समय तक रहेगा। यह कम समय में पूरी होने वाली फर्राटा दौड़ नहीं, मैराथन है। इसमें वक्त लगेगा।

- इटली में नए संक्रमितों की दर में गिरावट की बात सामने आई
- हालांकि यूरोप में स्थिति अभी भी बनी हुई है बहुत गंभीर

यूएन ने लॉकडाउन को मजबूत और अच्छा कदम बताया

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इस विश्व संस्था की स्वास्थ्य एजेंसी के एक शीर्ष अधिकारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 दिन के लॉकडाउन के फैसले की सराहना करते हुए इसे व्यापक और मजबूत कदम करार दिया है।

यूएन न्यूज की ओर से जारी एक वीडियो संदेश में कहा गया है कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में संयुक्त राष्ट्र भारत के साथ है। वीडियो में रविवार को आयोजित जनता कर्फ्यू का भी उल्लेख किया गया है जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए देश के 130 करोड़ लोग सुबह सात बजे से रात नौ बजे तक अपने घरों में रहे। यही नहीं प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर लोगों ने शाम को पांच बजे अपने-अपने घरों की बॉलकनियों, खिड़कियों और बरामदों में आकर कोविड-19 से लड़ रहे योद्धाओं के लिए तालियां भी बजाई थीं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की प्रमुख मिशेल बेचलेट ने एक बयान जारी कर कहा है कि कोविड-19 ने बंदीगृहों, जेलों और आव्रजन हिरासत केंद्रों के अधिकारियों को ऐसे कैदियों को रिहा करने पर विचार करना चाहिए जो बुजुर्ग हैं या बीमार हैं।

पोप के करीबी सहयोगी वायरस की चपेट में

- पोप फ्रांसिस के आवास परिसर में रहते हैं बीमार हुए पुरोहित
- रोम के अस्पताल में भर्ती, आफिस को सैनिटाइज किया गया

वेटिकन सिटी, एएफपी : वेटिकन सिटी परिसर में भी कोरोना वायरस की घुसपैठ हो गई है। पोप फ्रांसिस के आवास में रह रहे एक पुरोहित को कोरोना वायरस से ग्रस्त पाया गया है। ये पुरोहित पोप के करीबी सहयोगी हैं। इटली के कई समाचार पत्रों ने वेटिकन के विश्वस्त सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है।

इल मेसागेरो अखबार ने अपनी खबर में बताया कि पोप के करीबी सहयोगी और सेक्रेट्रियेट आफ स्टेट में कार्यरत एक पुरोहित को नियमित जांच में बुखार से पीड़ित पाया गया। ला स्टैंपा अखबार ने लिखा है कि पुरोहित को रोम के अस्पताल में भर्ती कराने के साथ वेटिकन स्थित उनके आफिस को सैनिटाइज कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पोप पिछले माह तबियत खराब होने के बाद से एकांत में रह रहे हैं। वे किसी से मिल नहीं रहे हैं। वे भोजन भी अकेले करते हैं। वे अपने नियमित प्रवचन व सामूहिक प्रार्थना लाइब्रेरी में कैमरे के सामने करते हैं। जिसका इंटरनेट पर लाइव प्रसारण होता है। अखबार के मुताबिक बीमारी से बचाव के लिए पोप के आसपास व्यवस्था और चाकचौबंद कर दी गई है। इस संबंध में वेटकिन के प्रवक्ता मैटियो ब्रूनी ने कहा कि इन खबरों को न तो पुष्ट कर सकते हैं और न ही खंडन कर सकते हैं।

इटली के बर्गमो में फुटबाल मैच बना कोरोना प्रकोप का कारण

रोम, आइएएनएस : कोरोना से बुरी तरह प्रभावित इटली में बर्गमो शहर महामारी का केंद्र बन गया है। इस शहर में वायरस के बेकाबू होने का एक अहम कारण पता चला है। विशेषज्ञों का मानना है कि अटलांटा और वेलेंशिया के बीच सैन सिरो स्टेडियम में खेले गए फुटबाल मुकाबले के चलते सवा लाख की आबादी वाले बर्गमो में वायरस तेजी से फैल गया। यह मैच फरवरी में इटली में स्थानीय स्तर पर वायरस का पहला मामला सामने आने के दो दिन पहले खेला गया था। मैच के दौरान स्टेडियम में 45 हजार 792 दर्शक मौजूद थे। इस यूरोपीय देश में अब तक75 हजार लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

कोरोना के बचाव के लिए जागरूकता

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में एशियन सिटिजंस सेंटर फॉर इन्वायरमेंट एवं हेल्थ के सदस्य अनूठे तरीके से कोरोना वायरस के प्रति जागरूकता फैला रहे हैं। कार्यकर्ता मास्क पहनने के साथ ऊपर से वायरस का मॉडल लगाकर इससे बचाव के तरीके की जानकारी दे रहे हैं। एएफपी

निष्कर्ष

एमआइटी के वैज्ञानिकों के कोरोना पर अध्ययन से सामने आई बात, तीन से 18 डिग्री सेल्सियस वाले क्षेत्रों में ज्यादा मामले देखने को मिले

गर्म और उमस भरे देशों में महामारी का विस्तार धीमा

बोस्टन, प्रेट्र : कोरोना वायरस के प्रकोप पर किये गये अध्ययन से यह बात समाने आई है कि गर्म और उमस भरे मौसम वाले क्षेत्रों में इसका फैलाव धीमी रफ्तार से होता है। यही वजह है कि कई एशियाई देशों जहां मानसून जैसे हालात हैं इसका विस्तार कम देखने को मिला है।

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एमआइटी) के कासिम बुखारी समेत अन्य वैज्ञानिकों ने कोविड-19 की चपेट में आये इलाकों की परिस्थितियों पर अध्ययन कर यह निष्कर्ष निकाला है। यह अध्ययन इन इलाकों के तापमान और आर्द्रता को आधार बनाकर किया गया था।

अध्ययन के इन निष्कर्षों को ख्यातिलब्ध जर्नल एसएसआरएन में शामिल किया है। इसके निष्कर्षों में पाया गया कि नोवेल कोरोना वायरस और सार्स-कोवि-2 के विस्तार वाले 90 फीसद मामले तीन से 17 डिग्री तापमान वाले क्षेत्रों में पाये गये। इन इलाकों में नमी का स्तर 4 से 9 ग्राम प्रति घन मीटर पाया गया। इसे सरल शब्दों में ऐसे समझा सकता है प्रति प्रति घन मीटर वायुमंडल में चार से नौ ग्राम ही जल वाष्प हो। एमआइटी के वैज्ञानिकों के अनुसार जिन देशों में जनवरी से मार्च के बीच तापमान 19 डिग्री सेल्सियस से अधिक और नमी 9 ग्राम प्रति घनमीटर रही वहां मात्र छह प्रतिशत मामले देखे गये।

प्रतीकात्मक फोटो

वैज्ञानकों ने पाया कि इस अवधि में जिन एशियाई देशों में मानसून सक्रिय रहा वहां कोरोना के विस्तार की रफ्तार धीमी रही क्योंकि वहां नमी का स्तर 10 ग्राम प्रति घन मीटर से अधिक रहा।

अमेरिका में उत्तर दक्षिण इलाके में भी इसके विस्तार की रफ्तार अलग- अलग देखी गई। उत्तरी भाग जो इस अवधि में ठंडा रहा वहां कोरोना के मामले ज्यादा सामने आये जबकि दक्षिण जो इस अवधि में अपेक्षाकृत गर्म रहता है वहां हालात भिन्न रहे। दक्षिण के टेक्सास, न्यू मेक्सिको और एरिजोना राज्यों में कोरोना के बहुत कम मामले सामने आये। कैलीफोर्निया राज्य में जहां उत्तर व दक्षिण क्षेत्र की जलवायु में बड़ा फर्क रहता वहां भी यही चीज देखने को मिली। उत्तर के मुकाबले गर्म दक्षिणी भाग में इस बीमारी का असर कम पाया गया।

कुछ इलाकों में कम है प्रकोप

शोधकर्ताओं ने बताया कि एशिया के बड़े भाग के अलावा पश्चिम एशिया और दक्षिण अमेरिका के देशों में इस बीमारी का वैसा प्रकोप नहीं देखा गया जैसा कि चीन, यूरोप और अमेरिका में है। जबकि इन देशों ने लॉकडाउन और क्वारंटाइन जैसे कदम भी नहीं उठाये। हालांकि वैज्ञानिकों ने कहा है कि अभी बहुत सी बातें हम नहीं जान पाये हैं। इसलिए इन निष्कर्षों के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि गर्म व नम देशों में यह नहीं फैलेगा।

इजरायल में गेंट्ज ने स्पीकर पद के लिए दावेदारी पेश की

यरुशलम, एएफपी : इजरायल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेनी गेंट्ज ने संसद के स्पीकर पद के लिए दावेदारी पेश की है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के नेता यूली एल्डेस्टीन ने बुधवार को स्पीकर पद से इस्तीफा दिया था। अब यह पद 120 सदस्यों वाली संसद में बहुमत (62 सीट) प्राप्त कर चुके विपक्षी गठबंधन को मिलना है।

इस गठबंधन में गेंट्ज की ब्ल्यू एंड व्हाइट पार्टी की हिस्सेदारी सबसे बड़ी है। अब जबकि गेंट्ज ने स्पीकर पद के लिए दावेदारी पेश कर दी है तो उनका स्पीकर बनना तय माना जा रहा है। वह अकेले सांसद हैं जिन्होंने अपनी नामजदगी का पर्चा दाखिल किया है। इजरायल के समय के अनुसार गुरुवार को ही किसी समय उन्हें स्पीकर के रूप में चुनने के लिए संसद में मतदान हो सकता है। इससे पहले राष्ट्रपति ने गेंट्ज को प्रधानमंत्री नामित किया था।

न्यूजीलैंड की मस्जिदों के हमलावर ने जुर्म कुबूला

- 51 मारे गए थे और 40 हुए थे घायल

क्राइस्टचर्च, आइएएनएस : न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में 2019 में मस्जिद में हुए गोलीकांड के हमलावर ने सभी 92 आरोपों में अपना गुनाह कुबूल कर लिया है। न्यूजीलैंड की यह पहली आतंकी वारदात थी। इसमें 51 लोग मारे गए थे और 40 लोग घायल हुए थे। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जसिंडा आर्डर्न ने कहा है कि हमलावर के इस रुख से उन तमाम पीड़ितों को सुकून महसूस होगा जिन्होंने हमले में अपने प्रियजनों को खोया या घायल होकर पीड़ा झेली।

कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच लॉकडाउन न्यूजीलैंड में वीडियो-ऑडियो लिंक के जरिये ऑस्ट्रेलियाई मूल के आरोपी बेन्टन टैरेंट (29) की हाई कोर्ट में पेशी हुई। वहां 51 हत्याओं, 40 हत्या के इरादे से घायल करने और आतंकी वारदात को अंजाम देने के आरोपों पर सुनवाई हुई। इसमें ऑकलैंड जेल में कैद टैरेंट ने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए माना कि उसने भावावेश में आकर यह गंभीर अपराध किया। इससे पहले हुई सुनवाई में टैरेंट ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इन्कार किया था। टैरेंट के गुनाह कुबूल करने के समय हाई कोर्ट में पीड़ितों की ओर से अल नूर मस्जिद और लिनवुड मस्जिद के इमाम मौजूद थे।

इन्हीं दोनों मस्जिदों में 15 मार्च, 2019 को ऑटोमैटिक हथियारों से फायरिंग कर श्रद्धालुओं की हत्या की गई थी। ये श्रद्धालु वहां पर जुमे की नमाज अदा करने के लिए एकत्रित हुए थे। दोनों मस्जिदों में वारदात को अंजाम देने के बाद टैरेंट जब भाग रहा था तभी उसकी कार दुर्घटना की शिकार हो गई और तब पुलिस ने उसे हथियारों के साथ पकड़ लिया था। मामले में सजा का एलान एक मई को होगा।